पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उ0प्र0

मुख्यमंत्री ने गोरखपुर में 495 करोड़ रु0 से अधिक लागत के गोड़धइया नाले के फेज–1 का लोकार्पण तथा 880 करोड़ रु0 से अधिक लागत की फेज–2, गोरखपुर सीवरेज योजना जोन–ए3 और गोड़धइया नाले के समानान्तर प्रस्तावित सर्विस रोड का शिलान्यास किया

दीपावली से ठीक पहले गोरखपुर महानगर के उत्तरी क्षेत्र को परियोजना से बड़ी राहत मिलने जा रही : मुख्यमंत्री

प्रथम चरण में गोड़धइया नाले पर लगभग 7.75 कि0मी0 लम्बा आर0सी0सी0 निर्माण कराया गया

दूसरे चरण में 17 कैचमेण्ट क्षेत्रों में लगभग 342 कि0मी0 सीवर लाइन बिछाई जाएगी, करीब 45 हजार सीवर कनेक्शन उपलब्ध कराए जाएंगे

यह परियोजना गोरखपुर को मच्छरों, गन्दगी और जलजनित बीमारियों से बचाने के व्यापक प्रयास का हिस्सा

दो बार चक्रवाती परिस्थितियों के कारण प्रभावित क्षेत्रों का समय से सर्वेक्षण कराने और फसल क्षति का सही आकलन किए जाने के सभी जिलाधिकारियों को निर्देश

प्रभावित किसानों को राहत देने के लिए विशेष पैकेज और मुआवजा उपलब्ध कराया जाएगा

धर्मशाला बाजार से आगे सुमेर सागर की ओर जाने वाले नाले को पक्का बनाने के लिए धनराशि स्वीकृत

गोड़धइया नाले के दोनों ओर आवागमन के लिए सड़कें बनायी जाएंगी

पर्व–त्योहारों की खुशियाँ केवल अपने परिवार तक सीमित न रखें, बल्कि समाज के गरीब, वंचित और कमजोर वर्गों तक भी पहुँचाएँ

दीपावली के अवसर पर अपने मोहल्लों में स्थित मन्दिरों, शहीद स्मारकों और महापुरुषों की प्रतिमाओं के समक्ष भी एक दीप अवश्य जलाए

लखनऊ : 01 नवम्बर, 2026

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश की डबल इंजन सरकार विकास, सुशासन, सुरक्षा और जनकल्याण के संकल्प के साथ निरन्तर कार्य कर रही है। गोरखपुर महानगर ने विगत कुछ वर्षों में विकास की नई ऊँचाइयों को प्राप्त किया है। कभी जलभराव, गन्दगी, जाम, मच्छरों और माफिया के आतंक से पहचाना जाने वाला गोरखपुर आज बेहतर कनेक्टिविटी, आधुनिक आधारभूत सुविधाओं, चिकित्सा, शिक्षा, उद्योग और रोजगार के नए केन्द्र के रूप में विकसित हो रहा है। सरकार का संकल्प है कि महानगर के प्रत्येक

नागरिक को स्वच्छ वातावरण, सुगम आवागमन, व्यवस्थित जलनिकासी, आधुनिक सीवरेज व्यवस्था और सुरक्षित जीवन उपलब्ध कराया जाए।

मुख्यमंत्री जी आज गोरखपुर में 495 करोड़ रुपये से अधिक लागत के गोड़धइया नाले के फेज–1 के लोकार्पण तथा 880 करोड़ रुपये से अधिक लागत की फेज–2, गोरखपुर सीवरेज योजना जोन–ए3 और गोड़धइया नाले के समानान्तर प्रस्तावित सर्विस रोड के शिलान्यास कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर लगायी गयी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अवसर पर जल निगम (नगरीय) की विभिन्न परियोजनाओं पर आधारित लघु फिल्म प्रदर्शित की गयी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रथम चरण में लगभग 500 करोड़ रुपये की लागत से गोड़धइया नाले पर लगभग 07 किलोमीटर 750 मीटर लम्बा आर0सी0सी0 निर्माण कराया गया है। इसके साथ ही 17.5 किलोमीटर लम्बी इण्टरसेप्टिंग ट्रंक सीवर लाइन, 38 एम0एल0डी0 क्षमता का सीवेज ट्रीटमेण्ट प्लाण्ट, 61 एम0एल0डी0 क्षमता का मुख्य पम्पिंग स्टेशन तथा 14 ब्रिज कल्वर्ट सहित अन्य आवश्यक कार्य पूर्ण किए गए हैं। यह परियोजना गोरखपुर महानगर की जलनिकासी व्यवस्था को व्यवस्थित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

दूसरे चरण में व्यापक सीवरेज नेटवर्क विकसित किया जाएगा। इसके अन्तर्गत 17 कैचमेण्ट क्षेत्रों में लगभग 342 किलोमीटर सीवर लाइन बिछाई जाएगी तथा करीब 45 हजार सीवर कनेक्शन उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, 27 एम0एल0डी0 और 37 एम0एल0डी0 क्षमता के दो इण्टरमीडिएट पम्पिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। इस परियोजना से सम्बन्धित अन्य आवश्यक कार्य भी कराए जाएंगे। इससे लगभग ढाई से तीन लाख की आबादी सीधे लाभान्वित होगी। यह व्यवस्था न केवल जलनिकासी की समस्या का समाधान करेगी, बल्कि स्वच्छता और जनस्वास्थ्य की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण साबित होगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि दीपावली से ठीक पहले गोरखपुर महानगर रेलवे लाइन की उत्तर दिशा में स्थित अनेक मोहल्लों को इस परियोजना से बड़ी राहत मिलने जा रही है। रेलवे कॉलोनी, बिछिया, शाहपुर, सेमरा, बशारतपुर, राप्तीनगर और रामजानकी नगर सहित अन्य क्षेत्रों के नागरिक लम्बे समय से जलनिकासी की समस्या का सामना कर रहे थे। अब आधुनिक नाले, सीवर लाइन और पम्पिंग स्टेशन के माध्यम से इस समस्या का व्यवस्थित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

गोड़धइया नाले का निर्माण केवल जलनिकासी की व्यवस्था को बेहतर बनाने तक सीमित नहीं है। यह परियोजना गोरखपुर को मच्छरों, गन्दगी और जलजनित बीमारियों से बचाने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है। जब तक जलनिकासी की उचित व्यवस्था नहीं होगी, तब तक जलभराव की समस्या बनी रहेगी। जलभराव से मच्छर पैदा होंगे

और बीमारियों का प्रकोप बढ़ेगा। इसलिए सरकार ने जलनिकासी और सीवरेज व्यवस्था को प्राथमिकता दी है। गोड़धइया नाले के अलावा धर्मशाला बाजार से आगे सुमेर सागर की ओर जाने वाले नाले को भी पक्का एवं व्यवस्थित आर0सी0सी0 नाला बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इसके लिए धनराशि स्वीकृत की जा चुकी है। महानगर के विभिन्न क्षेत्रों में नालों को व्यवस्थित करने तथा सीवरेज की आधुनिक व्यवस्था विकसित करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है। इससे भविष्य में भी जलभराव की समस्या उत्पन्न होने की आशंका कम होगी।

वर्ष 2017 से पूर्व की सरकारों की मानसिकता और विकास के प्रति उदासीनता के कारण गोरखपुर को गन्दगी, जलभराव और अशुद्ध पेयजल जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता था। महानगर के उत्तरी क्षेत्र में जलभराव की गम्भीर समस्या थी। इन्सेफेलाइटिस, मलेरिया, डेंगू तथा विभिन्न जलजनित बीमारियों के कारण हजारों बच्चे असमय बीमार होते थे और काल के गाल में समा जाते थे। इन समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए सरकार ने व्यवस्थित जलनिकासी की योजना तैयार की और गोड़धइया नाले के निर्माण को प्राथमिकता दी।

गोड़धइया नाले के निर्माण के समय सुनिश्चित किया गया कि अवैध कब्जों को हटाया जाए, लेकिन पहले से बने मकानों को अनावश्यक नुकसान न पहुँचे। आज लगभग 7.75 किलोमीटर लम्बे इस विशाल आर0सी0सी0 नाले का प्रथम चरण पूर्ण होकर जनता को समर्पित किया जा रहा है। नाले के दोनों ओर सीवर लाइन बिछाई जा चुकी है, जिससे गन्दगी सीधे नाले में नहीं जाएगी। यहाँ से निकलने वाले पानी का समुचित शोधन किया जाएगा और उपचारित पानी ही रामगढ़ताल में पहुँचेगा। इससे रामगढ़ताल की स्वच्छता, पर्यावरणीय गुणवत्ता और प्राकृतिक सुन्दरता बनाए रखने में सहायता मिलेगी।

गोड़धइया नाले के दोनों ओर आवागमन के लिए सड़कें भी बनायी जाएंगी। दोनों ओर वैकल्पिक मार्ग विकसित होंगे, जिससे आसपास के मोहल्लों के नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही दोनों ओर वृक्षारोपण भी कराया जाएगा, जिससे क्षेत्र का पर्यावरण बेहतर होगा और विकास के साथ हरित वातावरण भी सुनिश्चित होगा। गोरखपुर ने मच्छर और माफिया के आतंक से मुक्ति की दिशा में एक महत्वपूर्ण परियोजना को पूर्ण किया है। जब कोई शहर मच्छर और माफिया से मुक्त होता है, तो विकास तेजी से आगे बढ़ता है। गोरखपुर में आज वही विकास महानगर को फोरलेन सड़कों से जोड़ रहा है, खाद कारखाने का निर्माण और संचालन सुनिश्चित कर रहा है तथा प्रत्येक प्रमुख मार्ग पर बेहतर कनेक्टिविटी उपलब्ध करा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज गोरखपुर में एम्स, बी0आर0डी0 मेडिकल कॉलेज और 04 विश्वविद्यालय हैं। महानगर को चारों ओर से 4–लेन सड़कों की कनेक्टिविटी

प्राप्त हो चुकी है। चिकित्सा, शिक्षा, परिवहन और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में गोरखपुर ने उल्लेखनीय प्रगति की है। आज से कुछ वर्ष पूर्व तक रामगढ़ताल की ओर जाने से लोग कतराते थे, लेकिन आज रामगढ़ताल गोरखपुर की पहचान बन चुका है। वहां पर्यटन और मनोरंजन की बेहतर सुविधाएं विकसित हुई हैं।

पहले गोरखपुर का युवा नौकरी और रोजगार की तलाश में महानगर से बाहर जाने के लिए विवश था, लेकिन आज बाहर के लोग भी गोरखपुर में रोजगार की तलाश में आ रहे हैं। इसका कारण यहाँ स्थापित हुआ सुरक्षा, स्वच्छता और विकास का वातावरण है। विभिन्न योजनाओं के माध्यम से गोरखपुर को एक नई पहचान मिली है। आज हम गर्व के साथ कह सकते हैं कि जिस प्रकार नया भारत तैयार हो रहा है और नया उत्तर प्रदेश आगे बढ़ रहा है, उसी प्रकार नए उत्तर प्रदेश का नया गोरखपुर भी तैयार हो रहा है।

गोरखपुर की समृद्ध ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत रही है। श्री गोरखनाथ मन्दिर, गीता प्रेस और चौरी–चौरा इस क्षेत्र की अमूल्य धरोहर हैं। गोरखपुर की पहचान केवल धार्मिक एवं आध्यात्मिक केन्द्र के रूप में ही नहीं, बल्कि भारत की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करने वाले अमर क्रान्तिकारियों की धरती के रूप में भी है। चौरी–चौरा की घटना 04 फरवरी, 1922 को घटित हुई थी। यह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास की अत्यन्त महत्वपूर्ण घटना है। पहले चौरी–चौरा शहीद स्मारक तक जाने के लिए समुचित मार्ग उपलब्ध नहीं था। प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन और नेतृत्व में प्रदेश में डबल इंजन सरकार बनने के बाद चौरी–चौरा शहीद स्मारक तक बेहतर सम्पर्क मार्ग विकसित किया गया। रेलवे लाइन के ऊपर फ्लाईओवर का निर्माण कराया गया, जिससे वहाँ पहुँचना आसान हो गया है। अब कोई भी नागरिक किसी भी समय चौरी–चौरा शहीद स्मारक पहुँचकर अपने पूर्वजों और अमर बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित कर सकता है।

चौरी–चौरा ने गोरखपुर को एक ऐतिहासिक पहचान दी है। यहाँ के अमर बलिदानियों का योगदान हमारी स्वाधीनता का आधार है। चौरी–चौरा और डोहरिया की घटनाएँ यह बताती हैं कि जब भी भारत की आजादी, स्वाभिमान और राष्ट्रीय अस्मिता पर कोई संकट आएगा, इस धरती से ऐसे वीर सपूत पैदा होंगे, जो देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर देंगे। शहीद बन्धु सिंह और पं0 रामप्रसाद बिस्मिल जैसे अमर बलिदानियों ने अपने त्याग और बलिदान से देश की स्वतंत्रता की चेतना को मजबूत किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज हम जिस स्वतंत्र और उन्मुक्त वातावरण में रहते हैं, पर्व–त्योहार मनाते हैं, बाजारों में रौनक देखते हैं और उत्सवों का आनन्द लेते हैं, उसके पीछे हमारे पूर्वजों और क्रान्तिकारियों का त्याग एवं बलिदान है। वर्तमान पीढ़ी का

दायित्व है कि वह उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करे। सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने तथा नई पीढ़ी को अपने गौरवशाली इतिहास से जोड़ने का कार्य कर रही है।

पूर्ववर्ती सरकार में नागरिक अपनी सम्पत्ति, सम्मान और सुरक्षा को लेकर चिंतित रहते थे। आज प्रदेश सरकार ने इस प्रकार के अपराधों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनायी है। प्रदेश में कानून का राज स्थापित हुआ है। कोई भी अपराधी किसी गरीब, व्यापारी अथवा प्रतिष्ठित नागरिक की जमीन या मकान पर कब्जा करने का दुस्साहस नहीं कर सकता। किसी युवा के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने की अनुमति किसी को नहीं है। वर्ष 2017 से पूर्व बेटियाँ सुरक्षित वातावरण के अभाव में विद्यालय नहीं जा पाती थीं। व्यापारी सुरक्षित माहौल में कारोबार नहीं कर पाते थे। अपराध और असुरक्षा के कारण निवेशक भी प्रदेश में निवेश करने से कतराते थे। आवागमन के पर्याप्त साधन नहीं थे तथा सड़कों की स्थिति बदहाल थी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गोरखपुर आज पूर्वी उत्तर प्रदेश के युवाओं के लिए निवेश और रोजगार का प्रमुख केन्द्र बन चुका है। गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) में विगत लगभग 10 वर्षों में 50 हजार युवाओं को नौकरी और रोजगार मिला है। यहां नए–नए उद्योग स्थापित हो रहे हैं तथा औद्योगिक गतिविधियों का निरन्तर विस्तार हो रहा है। गोरखपुर में खाद कारखाना, चीनी मिल, डिस्टिलरी, डेयरी, इथेनॉल प्लाण्ट, स्टील प्लाण्ट और सीमेण्ट फैक्ट्री जैसी विभिन्न औद्योगिक इकाइयाँ स्थापित हो रही हैं। इसके अतिरिक्त नए संस्थान, सॉफ्टवेयर और प्रौद्योगिकी पार्क भी विकसित किए गए हैं, जिन्होंने कार्य करना प्रारम्भ कर दिया है। आयुष विश्वविद्यालय ने भी कार्य करना प्रारम्भ कर दिया है। सैनिक स्कूल की स्थापना से पूर्वी उत्तर प्रदेश के युवाओं को बेहतर शिक्षा और प्रशिक्षण के अवसर प्राप्त हुए हैं।

यह विकास का ऐसा मॉडल है, जिसमें आधारभूत सुविधाओं के निर्माण के साथ युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया गया है। सरकार का उद्देश्य है कि स्थानीय युवाओं को अपने ही क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध हो और उन्हें नौकरी की तलाश में दूसरे शहरों में पलायन न करना पड़े।

गोरखपुर महानगर में विकास की प्रक्रिया निरन्तर आगे बढ़ती रहेगी। जलनिकासी, सीवरेज, सड़क, स्वच्छता, चिकित्सा, शिक्षा, उद्योग, रोजगार और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में हो रहे कार्यों से महानगर को आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाया जाएगा। विकास की यह यात्रा तभी सफल होगी, जब प्रत्येक नागरिक इसमें अपनी सहभागिता सुनिश्चित करेगा।

हाल में दो बार चक्रवाती परिस्थितियों के कारण असमय वर्षा, अतिवृष्टि और ओलावृष्टि हुई है। इससे किसानों की फसलों को भारी नुकसान पहुँचा है। अन्नदाता

किसानों की इस परेशानी को देखते हुए सरकार ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देशित किया है कि प्रभावित क्षेत्रों का समय से सर्वेक्षण कराया जाए और फसल क्षति का सही आकलन किया जाए। प्रभावित किसानों को राहत देने के लिए विशेष पैकेज और मुआवजा उपलब्ध कराया जाएगा। सरकार किसानों के हितों के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है। किसान प्रदेश की अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा का आधार हैं। इसलिए संकट की घड़ी में सरकार उनके साथ खड़ी है और उन्हें प्रत्येक सम्भव सहायता उपलब्ध करायी जाएगी।

डबल इंजन सरकार ने युवा, किसान, महिला और गरीब सहित समाज के प्रत्येक वर्ग के उत्थान के लिए व्यापक कार्ययोजना बनायी है। गरीब परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से पक्के मकान उपलब्ध कराए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अन्तर्गत निःशुल्क रसोई गैस कनेक्शन दिए गए हैं। आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से पात्र गरीब परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा का लाभ मिल रहा है। सरकार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर और उद्यमी बनाने के लिए भी कार्य कर रही है। आज का युवा केवल नौकरी पाने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला भी बन रहा है। स्टार्ट–अप ईको–सिस्टम के माध्यम से युवा अपने विचारों को उद्यम में बदल रहे हैं और दूसरे लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के माध्यम से युवाओं और छोटे उद्यमियों को अपना व्यवसाय स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध करायी जा रही है। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अन्तर्गत युवाओं को ब्याजमुक्त एवं गारण्टीमुक्त ऋण उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। इससे वह अपना स्वयं का कारोबार शुरू कर सकते हैं, आर्थिक रूप से खुशहाल बन सकते हैं और अन्य लोगों को भी रोजगार दे सकते हैं। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के माध्यम से स्ट्रीट वेण्डर्स और रेहड़ी–पटरी व्यवसायियों को भी विभिन्न प्रकार की सुविधाएँ उपलब्ध करायी जा रही हैं। सरकार की मंशा है कि समाज के अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को आर्थिक रूप से मजबूत बनाया जाए और उसे विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जाए।

विजयादशमी के उल्लासपूर्ण आयोजन के उपरान्त अब दीपावली का पर्व आने वाला है। अयोध्या में दीपावली के अवसर पर भव्य दीपोत्सव का आयोजन होगा। गोरखपुर के नागरिक पर्व–त्योहारों की खुशियाँ केवल अपने परिवार तक सीमित न रखें, बल्कि समाज के गरीब, वंचित और कमजोर वर्गों तक भी पहुँचाएँ। दीपावली का वास्तविक आनन्द तभी है जब हम किसी गरीब की झोपड़ी में जाकर भी दीप जलाएँ और उसके परिवार के साथ खुशियाँ साझा करें। अपने आसपास रहने वाले सफाई कर्मचारियों के घर जाएं, मलिन बस्तियों में रहने वाले परिवारों से मिलें और उन्हें दीपावली की मिठाई एवं उपहार भेंट करें।

गोरखपुर महानगर के नागरिकों को अपने–अपने मोहल्लों में ऐसे गरीब परिवारों की पहचान करनी चाहिए, जिन्हें दीपावली की खुशियां मनाने में कठिनाई होती है। उनके घर जाकर मिठाई खिलाएँ, उपहार दें और उनके जीवन में भी उत्साह एवं उल्लास का वातावरण बनाएं। मलिन बस्तियों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाए, ताकि वहाँ रहने वाले परिवारों को स्वच्छ वातावरण प्राप्त हो सके। वह स्वयं दीपावली के दिन वनटांगिया गाँव जाते हैं। लोगों के बीच जाकर उन्हें दीपावली की मिठाई खिलाते हैं और उनके साथ पर्व की खुशियाँ साझा करते हैं।

यदि हम अपनी खुशी में से थोड़ी–सी खुशी किसी जरूरतमन्द के साथ साझा करेंगे, तो उसकी दीपावली भी खुशहाली से भर जाएगी। इससे मन को संतुष्टि मिलेगी। एक–दूसरे के सुख–दुख में सहभागी बनना, एक–दूसरे के साथ खड़े रहना और सामाजिक सहयोग की भावना को मजबूत करना ही जीवन का वास्तविक उद्देश्य है। यही हमारी भारतीय संस्कृति और सामाजिक परम्परा का मूल भाव है।

मुख्यमंत्री जी ने प्रदेशवासियों को दीपावली एवं छठ महापर्व की हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि नागरिक दीपावली के अवसर पर अपने मोहल्लों में स्थित मन्दिरों, शहीद स्मारकों और महापुरुषों की प्रतिमाओं के समक्ष भी एक दीप अवश्य जलाएं। जहाँ किसी शहीद की प्रतिमा स्थापित है, वहाँ पहुँचकर दीप प्रज्वलित करें और उनके योगदान को स्मरण करें। आज जिस सुरक्षा और स्वतंत्रता के वातावरण में हम अपने पर्व–त्योहारों का आनन्द ले रहे हैं, उसके पीछे हमारे महापुरुषों, क्रान्तिकारियों और अमर बलिदानियों का अतुलनीय योगदान है। जब हम अपने महापुरुषों और बलिदानियों को स्मरण करेंगे, तो उनका आशीर्वाद हमारे सामाजिक और राष्ट्रीय जीवन को और अधिक मजबूत करेगा।

कार्यक्रम को गोरखपुर के सांसद श्री रविकिशन शुक्ल ने भी सम्बोधित किया।

इस अवसर पर मत्स्य मंत्री श्री संजय निषाद, परिषद सदस्य डॉ0 धर्मेन्द्र सिंह, विधायक श्री विपिन सिंह, श्री फतेह बहादुर सिंह, श्री श्रीराम चौहान, श्री महेन्द्र पाल सिंह, श्री राजेश त्रिपाठी, श्री प्रदीप शुक्ला, इं0 सरवन कुमार निषाद, उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष श्रीमती चारू चौधरी, महापौर डॉ0 मंगलेश श्रीवास्तव सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

————————

PN-CM-Gorakhpur Visit-Gordhaiya Nala-Project Programme-01 November, 2026